भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4022
7 अप्रैल, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत मौसम विज्ञान विभाग के लिए प्राप्त की गई भूमि

4022. श्री कनकमेदला रवींद्र कुमारः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार को वर्ष 2018 में भारत मौसम विज्ञान विभाग स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार से भूमि का टुकड़ा/ भूखंड प्राप्त हुआ था;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किन नियमों और शर्तों के आधार पर उपर्युक्त भूमि का टुकड़ा/ भूखंड प्राप्त किया गया;

(ग) क्या सरकार ने राज्य सरकार द्वारा आवंटित भूमि के टुकड़े/ भूखंड का उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया है जिसके लिए इसे मांगा गया था; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(***क***) जी, हां। आंध्र प्रदेश सरकार की प्रचालन एवं प्रशासनिक आवश्यकता का ध्यान रखने के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने वर्ष 2018 में आंध्र प्रदेश राज्य सरकार से नया मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करने के लिए एक भूखण्ड लिया था।

(***ख***) आंध्र प्रदेश सरकार ने G.O.146 MA & UD (CRDA.2) विभाग दिनांकित 08.05.2018 के द्वारा आदेश जारी करते हुए अनंतिम रूप से (प्रोविजनली)IMD को Ac.1.00 cts भूखण्ड पट्टे पर दिया, यह पट्टा 60 वर्ष की अवधि के लिए है, और पट्टे का प्रीमियम रु 1.00 करोड़ प्रति एकड़ है, तथा राजधानी नगर अमरावती में मौसम विज्ञान केन्द्र स्थापित करने एवं आवासीय स्थान निर्मित करने के लिए रु 1 /- प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष की दर से अभिहित पट्टा किराया (नॉमिनल लीज रेंटल)है। भारत मौसम विज्ञान विभाग से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे पट्टे के प्रीमियम एवं पट्टे के किराये पर 18% की दर से जीएसटी का भी भुगतान करें।

(ग)-(घ) प्रस्तावित राजधानी नगर क्षेत्र अभी विकसित किया जाना है। अभी तक बुनियादी अवसंरचना जैसे कि सड़कें, स्ट्रीट लाइट, विद्युत आपूर्ति, पानी एवं सीवर कनेक्शन, सार्वजनिक परिवहन, अधिकारियों / कर्मचारियों हेतु केन्द्र सरकार / राज्य सरकार का सामान्य पूल आवासीय परिसर पूरा किया जाना है। अत:, जब तक राजधानी नगर क्षेत्र विकसित नहीं हो जाता, तब तक मौसम केन्द्र अमरावती के कार्यालय भवन के निर्माण में विलम्ब होगा।

******